

ture for 1954-55 was about Rs. 21 lakhs, on the whole scheme, not only on the pay of the officers.

Shri Bhagwat Jha Azad: May I know what are the reasons for compelling the officers under this Contributory Health Scheme to have treatment only of the allopathic system? Have they any choice to have ayurvedic or homoeopathic treatment; if not, why not?

Shrimati Chandrasekhar: Since the Government of India do not at present recognise any other system than the modern system, it is not allowed.

रंल दुर्घटना

*२१००. श्री रघुनाथ सिंह : क्या रंलवं मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २६ मार्च, १९५५ को दिल्ली से बम्बई जाने वाली पठानकोट एक्सप्रेस धौलपुर स्टेशन पर दुर्घटना गस्त हो गई ; और

(ख) यदि हां, तो उसके कारण क्या थे ?

रंलवं तथा परिवहन मंत्री के सभासद (श्री शाहनबाज खां): (क) २७-२-५५ को सवेर २ बजकर १५ मिनट पर (न कि २६-२-५५ को जैसा कि प्रश्न में कहा गया है) ४ अप पठानकोट एक्सप्रेस गाड़ी दो खाली डिब्बों से टकरा गयी, जो मुख्य लाइन पर खड़े थे। जिस समय टक्कर लगी, गाड़ी मध्य रंलवं के आगरा-भांसी संक्शन के धौलपुर स्टेशन पर आ रही थी। ये डिब्बे स्टेशन के अप बाहरी सिगनल और अप होम सिगनल के बीच मुख्य लाइन पर पहले से खड़े थे।

(ख) रंलवं अधिकारियों ने जांच के बाद जो रिपोर्ट दी है उससे मालूम होता है कि यह दुर्घटना मुख्य लाइन पर खड़े दो माल-डिब्बों के कारण हुई। धौलपुर स्टेशन यार्ड में 'शिफ्टिंग' के समय कुछ माल-डिब्बे

मुख्य लाइन से हो कर मालगाँव की लाइन से 'ट्रान्शिप शॉट लाइन' पर बदले जा रहे थे। उस समय मालगाड़ी के दो डिब्बे मुख्य लाइन पर छूट गये जिन पर किसी का ध्यान न गया।

श्री रघुनाथ सिंह : मैन लाइन पर जो डिब्बे खड़े थे वह इस गाड़ी के आने पर हटाये क्यों नहीं गये ?

श्री शाहनबाज खां : यह उनकी बड़ी भारी भूल हुई, जिसके लिए उनको बहुत कड़ी सजाये दी जा रही है।

श्री रघुनाथ सिंह : इसके लिए जिम्मेदार कौन हैं ?

श्री शाहनबाज खां : एक तो जो गूड्स ट्रेन का गाई था वह जिम्मेदार ठहराया गया। उसको नौकरी से हटा दिया गया। जो पाइंट्स मैन था उसके साथ भी एंसी ही कार्रवाई की गयी है। बक्स मैन और गूड्स ट्रेन के ड्राइवर को भी सजा दी गयी है। यह लोग भी जिम्मेदार ठहराये गये थे।

श्री भूलकर : क्या यह इसलिए किया गया

Mr. Speaker: It is a small matter; now, it has been finished. There is no use going deep into that.

POLISHING OF RICE

*2201. **Shri Dabhi:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have advised the Bombay State to modify the latter's restrictions over the quantity of bran permitted to be removed in the polishing of rice; and

(b) if so, the reasons therefor?

The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri M. V. Krishnappa): (a) The proposal for the removal of bran to the extent of 6 2/3 per cent. in the polishing of rice was made by the Government of Bombay and it was agreed to by the Government of India.